

डोगरी भाशा की वर्णमाला च 44 वर्ण न, जिन्दे च 10 (दस) स्वर वर्ण न ते 34 (चौती) व्यंजन वर्ण ।

स्वर :- ओह वर्ण होंदे न जिन्दा उच्चारण पूरी सुतैकरता कच्चे होंदा ऐ ते जिन्दे बोलने च कोई रोक - रुकावट नई होंदी ऐ ।

स्वर वर्ण

10

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ ते औ

व्यंजन :- व्यंजन ओह वर्ण न जिन्दा उच्चारण स्वरे की सहायता दे बगैर नई होई सकदा ।

व्यंजने की कुल संख्या 34 ऐ पर इन्दे च 6

वर्ण यानी घ, झ, ढ, ब, ज ते ढ लिपि च शामिल जरूर

न पर इन्दा उच्चारण इन्दे मूल सुआत्म आहला नई होई

बक्ख - बक्ख परिवेशे च बक्ख - बक्ख चाली दे सुरे

च बदलई जंदा ऐ । इस करिये मूल व्यंजन वर्ण

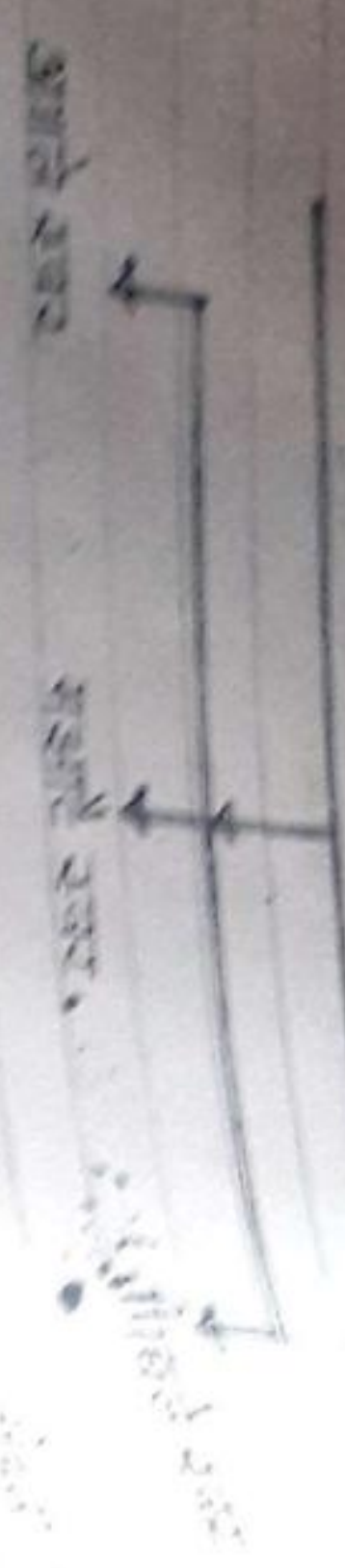
28 गै न ।

व्यंजन वर्ण

क, ख, ग, ड ; च, छ, ज, झ ; ट, ठ, ड, ण

त, थ, द, न ; प, फ, ब, म ; य, र, व, न

3) जीविका के विद्यो के आधार पर



क) आपके शहर :- शहरी शहर के उदाहरण हैं शहरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

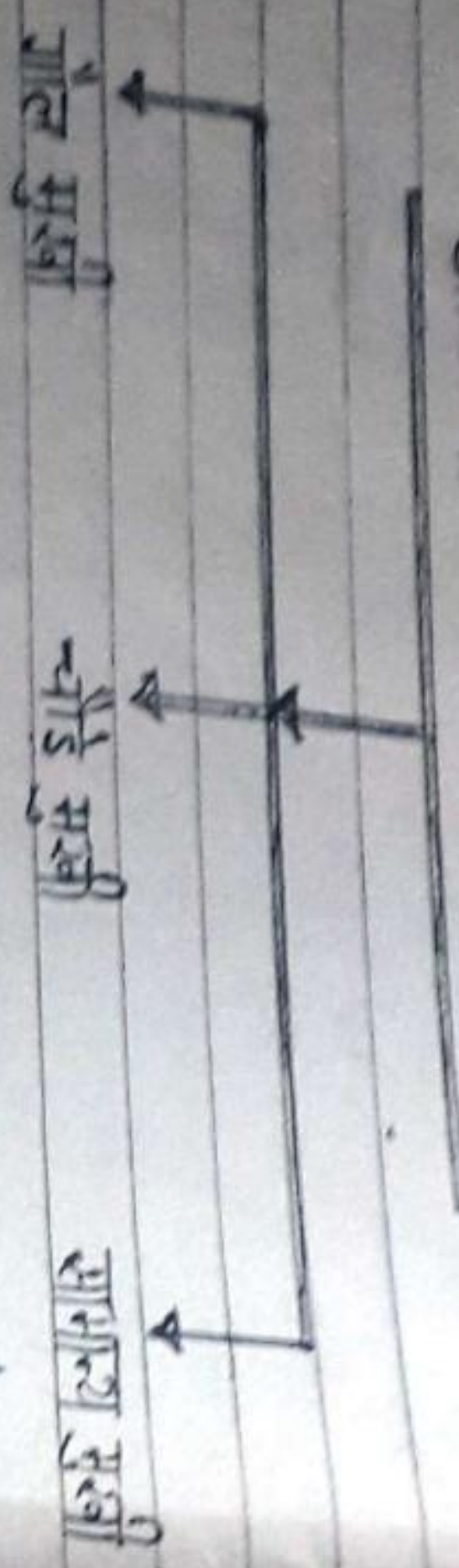
शहर आर्थिक जंग है। शहरी नगरी है।

क) शहरी शहर :- जिन्हे शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

शहरी शहर आर्थिक जंग है। शहरी नगरी है।

शहरी शहर :- जिन्हे शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

4) ओड की स्थिति के आधार पर



क) ग्रामीण शहरी :- जिन्हे शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

न. उद्योगी ग्रामीण शहरी शहर आर्थिक जंग है। उ, क, ओ, ओ ग्रामीण शहरी शहर न।

ANS 2001

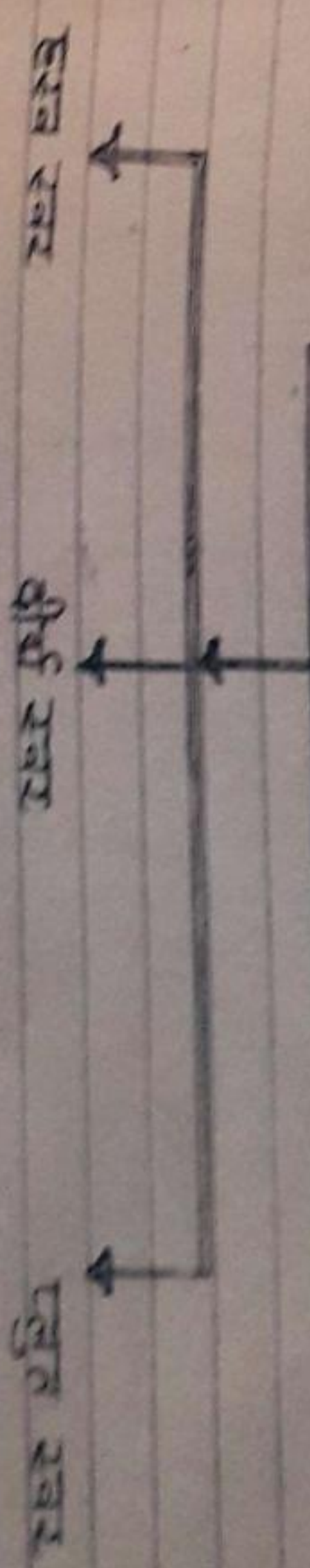
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

आ. 2001 नगरी शहरी शहर जिन्हे शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

उद्योगी शहरी शहर आर्थिक जंग है। उ, क, ओ, ओ शहरी शहर न।

क) सामान्य शहरी :- आ. आ शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

5) गांधी के आधार पर



क) शहरी शहर :- जिन्हे शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

शहर आर्थिक जंग है। आ. उ. श. उ. शहर शहर न।

क) ग्रामीण शहर :- शहरी नगरी आ. ई. क. ए. है. ओ. ओ

ग्रामीण शहर नगरी शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

ग्रामीण शहर शहरी शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

ग्रामीण शहर शहरी शहर के उदाहरण नगरी शहर, ग्रामीण शहर, आदि।

आ. ई. क. उ. है. ओ. ओ

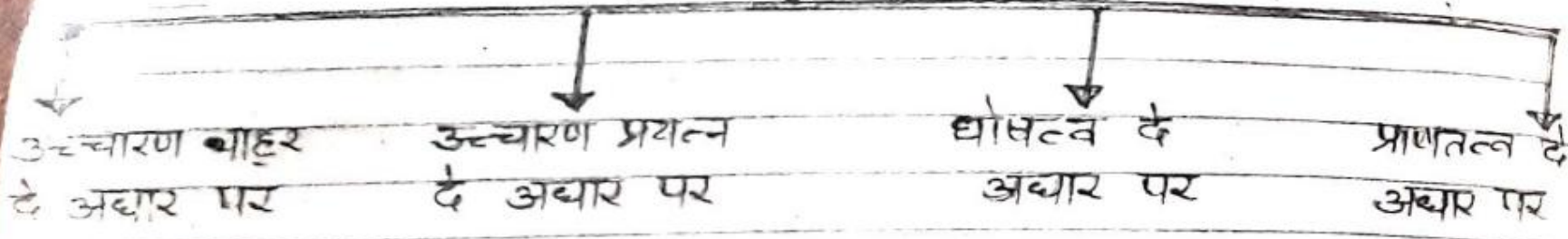
ANS 2001

01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

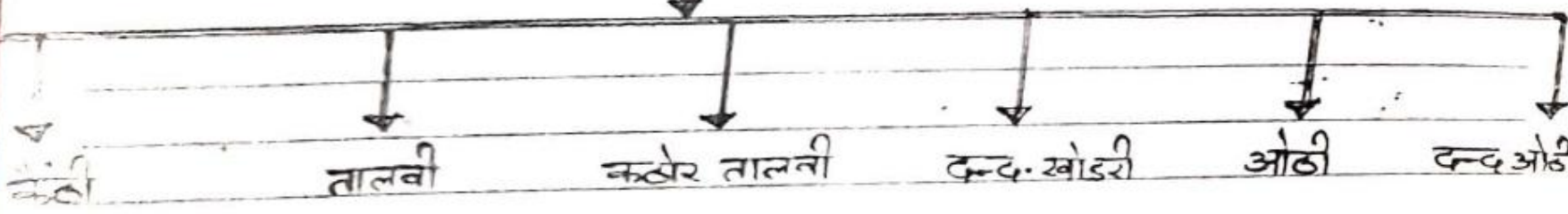
ठयंजन ध्वनियों का वर्गीकरण :->

(88)

JUL • 2001



1) उच्चारण बाह्य के आधार पर :->



24 क) कैंठी :-> जिनमें ठयंजनों की बोलने लई जीहवा का मूल मुण्ड जो पिछला हिस्सा पिछले कोमल तालु का स्पर्श करता है, उमें ठयंजनों की कैंठी ठयंजन गलाया जाता है। डोगरी न क, ख, ग, घ तै इ ठयंजन कैंठी ठयंजन न।

ख) तालवी :-> इमें ठयंजनों के उच्चारण न जीहवा का अगला हिस्सा तालु के अगले हिस्से की सहजता है। डोगरी न च, छ, ज (झ) ञ, श तै य ठयंजन तालवी ठयंजन न।

ग) कठोर-तालवी :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण न जीहवा का मझाला हिस्सा कठोर शक्ति सहज तै इहंगे उच्चे तालु का स्पर्श करता है उमेंगी हिन्दी बौश न, मुख्य ठयंजन गलाया जाता है तै डोगरी न डोगरी कठोर तालवी की आनखी यकनेआं। ट, ठ, ड (ढ) इ (ड़) तै ण ठयंजन कठोर तालवी न।

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31											

(89)

दन्त-खोडरी :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण न जीहवा की अगली नखर

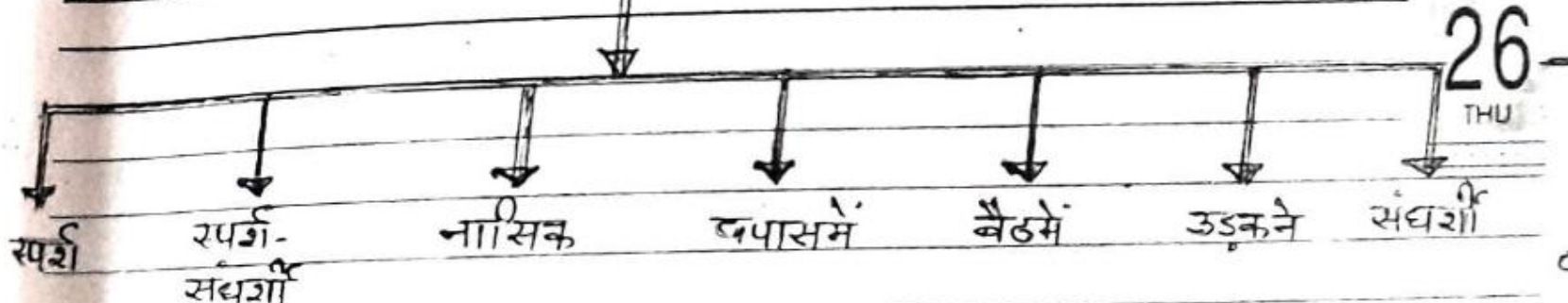
25 WED

अपारले दन्त के खोडरी कने स्पर्श करती है उमेंगी दन्त-खोडरी ठयंजन गलाया जाता है। डोगरी न त, थ, द, (ध) न, ल, र तै स ठयंजन इस जसती न ओंके, डोगरी न प, फ, ब (भ) तै स ओठी ठयंजन न।

ड) ओठी :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण ओठे भाग होना है, उमेंगी ओठी ठयंजन आखेआ जाता है। डोगरी न प, फ, ब (भ) तै स ओठी ठयंजन न।

च) दन्त-ओठी :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण न अपारले दन्त के खलक ओठ कस करके न उमेंगी दन्त ओठी ठयंजन गलाया जाता है। डोगरी न व इति दन्त ओठी है।

2) उच्चारण प्रयत्न के आधार पर :->



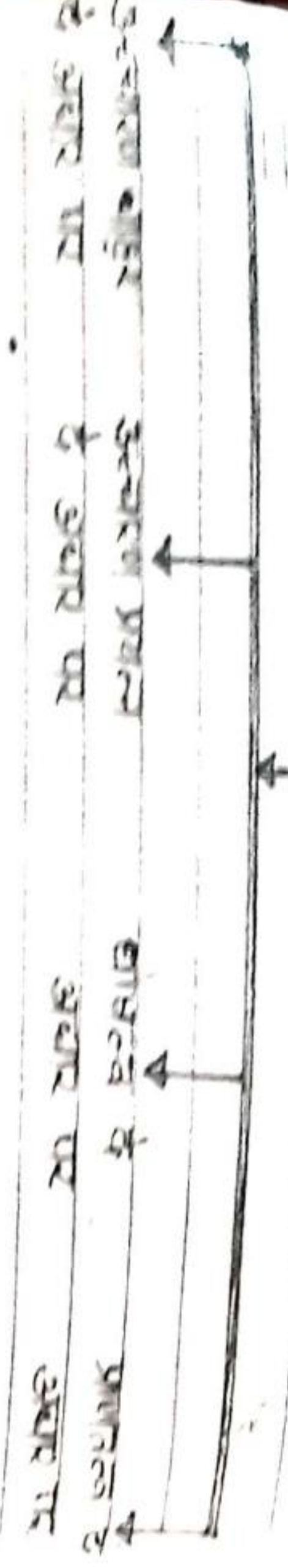
क) स्पर्श :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण न बोलने आहले कुं के आंग का स्पर्श होना है अर्थात आंगु चें जुडके न उमेंगी स्पर्श ठयंजन गलाया जाता है। डोगरी - क, ख, ग, घ; ट, ठ, ड (ढ); त, थ, द (ध); प, फ, ब (भ) ठयंजन स्पर्श ठयंजन न।

ख) स्पर्श-संधरी :-> जिनमें ठयंजनों के उच्चारण कुं के वाक-आंग न बिन्द सारा स्पर्श तै फही बाद न दोए आंग इने कोल कोल होई जन्के न ले लहाऊ की संधरी करिये निबलने का शरता बनाना

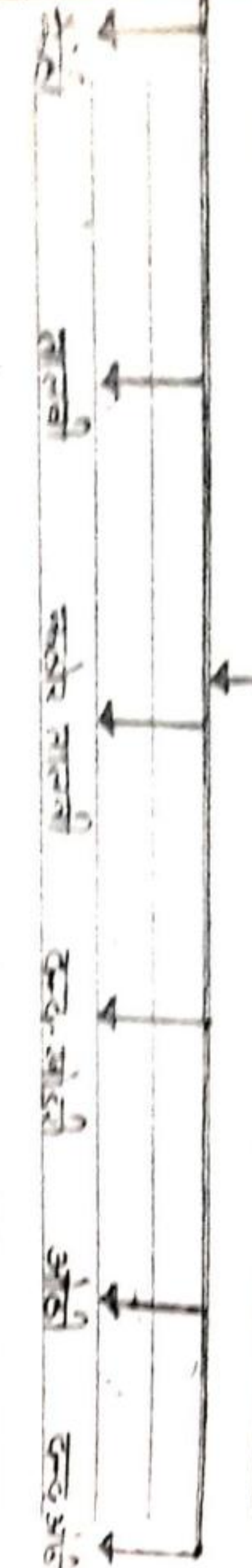
Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31											

लिंगन वर्गीकरण की श्रेणीकरण :-

Al. 201



सजावट प्रयोग के अर्थ :-



24

अर्थ :- लिंगन वर्गीकरण की श्रेणीकरण के अर्थ

यहाँ लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

अर्थ-लिंगन :- लिंगन वर्गीकरण के अर्थ

लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

अर्थ-सजावट :- लिंगन वर्गीकरण के अर्थ

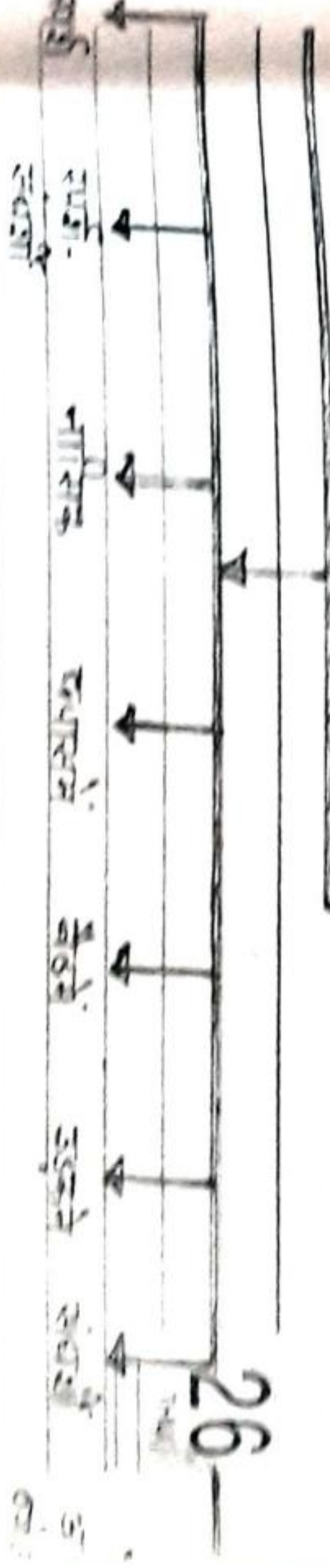
25

लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

अर्थ-अन्य उद्देश्य :- लिंगन वर्गीकरण के अर्थ

लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

सजावट प्रयोग के अर्थ :-



26

अर्थ :- लिंगन वर्गीकरण के अर्थ

लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

अर्थ-सजावट :- लिंगन वर्गीकरण के अर्थ

लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है। लिंगन वर्गीकरण के अर्थ को समझना है।

Scanned by TapScanner

पौन्या है, अंगी २५५५ संवत् १५५५ ॥
 जगत् है । अंगी २५५५ संवत् १५५५ ॥
 संवत् २५५५ संवत् १५५५ ॥

ग) -> नासिक :-> जिनें जंगनें दे उत्सवण न। नासिक का विकास मुहं दे इलाहा नरक। इंगरी न।

इ. अ. प. न. न. स. प. ल. नासिक जंगने न।

ख) -> कपासमें :-> इनें जंगनें दे उत्सवण न। कपास का विकास सिद्धे रसे दे नासिक नाराया

क) -> कपिलमें नारा होला है । इंगरी न। इनें जंगनें दे उत्सवण न।

(५०) -> कैरमें :-> जिनें जंगनें दे उत्सवण न। कैरमें कैरमें जंगनें दे उत्सवण न। कैरमें कैरमें जंगनें दे उत्सवण न।

अ) -> उत्सवनें :-> इनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न। उत्सवनें उत्सवनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

नाल कनें उत्सवनें कैरमें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न। उत्सवनें उत्सवनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

ख) -> संवत् २५५५ संवत् १५५५ ॥

सिन्हात लनां दे न। न। इंगरी न। इनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

ग) -> अतु-जंगनें :-> जिनें देवनें दे

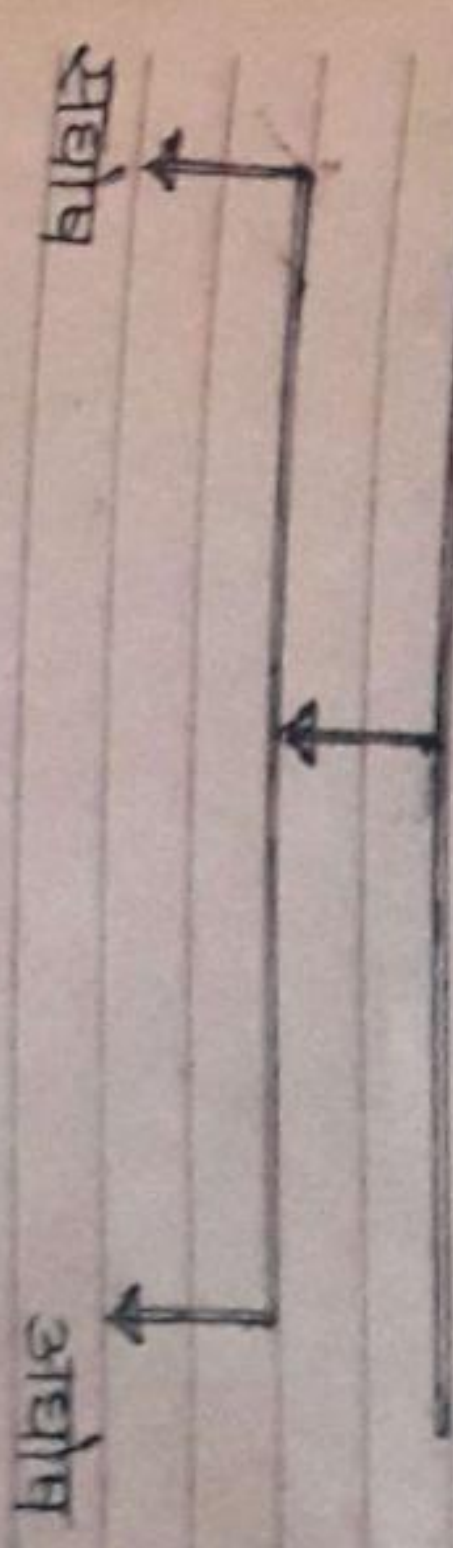
उत्सवण प्रयत्न जंगनें आहिला देला पुर्ण अतरोव्य आहिला नईं इनें दे न।

JULY 2001

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31

JULY 2001
 है अनेकां दे रोकनेक ठहाक दे विकास होला है । अनेकां दे रोकनेक ठहाक दे विकास होला है । अनेकां दे रोकनेक ठहाक दे विकास होला है ।

3. -> एषत्व दे अकार पर :->



क) -> सर्षोष :-> जिनें जंगनें दे उत्सवण न। सर्षोष सर्षोष जंगनें दे उत्सवण न।

ख) -> अर्षोष :-> इनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न। अर्षोष अर्षोष जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

(इ. अ. प. न. न. स. प. ल. नासिक जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

अ) -> अर्षोष :-> इनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न। अर्षोष अर्षोष जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

ख) -> अर्षोष :-> इनें जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न। अर्षोष अर्षोष जंगनें दे उत्सवण प्रयत्न न।

4. -> एषत्व दे अकार पर :->



JULY 2001

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa	Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
29	30	31